ASU NEWS-LETTER

vol.3 No.2 March-April 2018

ALLAHABAD STATE UNIVERSITY
CPI Campus
Mahatama Gandhi Road,
Civil Lines,
Allahabad-211001, U.P. India.
website: www.alldstateuniversity.org

❖

ADMINISTRATION :

Prof. Rajendra Prasad
Vice-Chancellor
Mobile: +91-9415313714
Ph.(O) 0532-2256206
Ph.(R) 0532-2256218
email:
rprasad55@rediffmail.com
vc@alldstateuniversity.org

♦

Dharmendra Prakash Tripathi
Finance Officer
Mobile No: +91-8004915375
Ph (O): 0532-2256222
email: financeofficer.asu@gmail.com

♦

(Dr.) Sahab Lal Maurya
Registrar
Mobile No.: +91-9415291923
Ph(O): 0532-2256207
email: registrarasua@gmail.com

♦

Sheshnath Pandey
Deputy Registrar
Mobile No.: +91-9839984620

R.B. Yadav
Deputy Registrar
Mobile No.: +91-9450369881

♦

Deepti Mishra
Deputy Registrar
Mobile No.: +91-9452092149

कुलपति की कलम से

इलाहाबाद राज्य विश्वविद्यालय अपने बहुआयामी विकास के पथ पर अग्रसर है। मार्च–अप्रैल में आवासीय परिसर में विद्यार्थियों को देश की सुरक्षा समस्याओं से परिचित कराने हेतु 'संवेदना जागृति' एवं 'व्यक्तित्व विकास' को केन्द्र में रखकर 'दीपायन' जैसे कार्यक्रम आयोजित हुए, जिसमें छात्र–छात्राओं की प्रतिभा मुखरित हुई।

यह सुखद संयोग है कि उ0प्र0 सरकार ने इस राज्य विश्वविद्यालय के मुख्य परिसर में निर्माण कार्यों को गति प्रदान करने हेतु 17 करोड़ की दूसरी किश्त जारी किया है और सी0पी0आई0 कैम्पस में मरम्मत आदि के लिए 54 लाख की अतिरिक्त धानराशि देकर प्रोत्साहित किया है।

इलाहाबाद राज्य विश्वविद्यालय की वार्षिक परीक्षायें 12 मार्च 2018 से प्रारम्भ होकर 5 मई 2018 को समाप्त हो गई। परीक्षा को नकलविहीन एवं शुचितापूर्ण ढंग से सम्पन्न कराया गया। इसके साथ–साथ परिसर में मूल्यांकन कार्य भी प्रारम्भ करा दिया गया है, जिससे समय से परीक्षा परिणाम घोषित किया जा सके।

इस बीच सम्बद्ध महाविद्यालयों एवं अन्य विश्वविद्यालयी संगोष्ठियों में मुख्य अतिथि/बीज वक्तव्यदाता के रूप में मैंने लगातार शिरकत करके एवं समय–2 पर विशिष्ट व्याख्यान देकर इलाहाबाद राज्य विश्वविद्यालय को उल्लेखनीय गौरव प्रदान किया है। हमने 'टाउन एवं गाउन' की उदात्त परम्परा को इस संगम नगरी में जारी रखा है। मेरी दृष्टि में ज्ञान के संचय, सृजन एवं विस्तार के लिए इस प्रकार का बौद्धिक स्पंदन अत्यन्त उपयोगी पाथेय है।

शुभकामनाओं सहित,

(प्रो0 राजेन्द्र प्रसाद)
कुलपति

ज्ञानं तेऽहं सविज्ञानमिदं वक्ष्याम्याशेषः।
यज्ज्ञात्वा नेह भूयोऽन्यज्ज्ञातव्यमवशिष्यते।। (7/2)
– श्रीमद्भगवद्गीता

इलाहाबाद राज्य विश्वविद्यालय की वार्षिक परीक्षा

(2017-18)

इलाहाबाद राज्य विश्वविद्यालय की वार्षिक परीक्षा 2017-18 दिनांक 12.03.2018 से प्रारम्भ कर परीक्षा की गरिमा एवं शुचिता के साथ नकलविहीन सम्पन्न कराई जा रही है। परीक्षाओं से सम्बन्धित अद्यतन संक्षिप्त विवरण निम्नवत् है:-

वार्षिक परीक्षा (2017-18)	संख्या/केन्द्र		
1. वार्षिक परीक्षा 2017-18 में कुल परीक्षार्थियों की संख्या	319292		
2. वार्षिक परीक्षा 2017-18 में कुल महिला परीक्षार्थियों की संख्या	122843		
3. वार्षिक परीक्षा 2017-18 में कुल पुरूष परीक्षार्थियों की संख्या	194649		
4. वार्षिक परीक्षा 2017-18 में निर्धारित किए गए **कुल परीक्षा केन्द्रों की संख्या**	**इलाहाबाद**	:	148
	कौशाम्बी	:	26
	फतेहपुर	:	50
	प्रतापगढ़	:	87
परीक्षा केन्द्रों की कुल परीक्षा केन्द्र संख्या		:	**311**
5. वार्षिक परीक्षा 2017-18 में निर्धारित किए गए कुल **नोडल केन्द्रों** की संख्या	**इलाहाबाद**	:	16
	कौशाम्बी	:	03
	फतेहपुर	:	08
	प्रतापगढ़	:	11
परीक्षा केन्द्रों की कुल नोडल केन्द्र		:	**38**
6. वार्षिक परीक्षा 2017-18 में निर्धारित किए गए परीक्षा केन्द्रों में से संवेदनशील परीक्षा केन्द्रों की संख्या	**इलाहाबाद**	:	46
	कौशाम्बी	:	12
	फतेहपुर	:	06
	प्रतापगढ़	:	30
संवेदनशील परीक्षा केन्द्रों की कुल संख्या		:	**92**

• इलाहाबाद राज्य विश्वविद्यालय कैम्पस में ''संवेदना जागृति'' विचार गोष्ठी का आयोजन

इलाहाबाद राज्य विश्वविद्यालय, सी0पी0आई0 कैम्पस में देश की सुरक्षा में लगे जवानों, अमर शहीदों एवं उनके परिवारों के प्रति 'संवेदना जागृति' विषय पर विचार गोष्ठी का आयोजन किया गया। इस गोष्ठी के मुख्य अतिथि श्री हीरा लाल यादव ने गोष्ठी के विषय पर अपने विचार व्यक्त किये। कार्यक्रम की अध्यक्षता इलाहाबाद राज्य विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो0 राजेन्द्र प्रसाद ने की। इस कार्यक्रम के अवसर पर इलाहाबाद राज्य विश्वविद्यालय के कुलसचिव डॉ0 साहब लाल मौर्य, श्री धर्मेन्द्र प्रकाश त्रिपाठी, प्रो0 आर0बी0एस0वर्मा के साथ विश्वविद्यालय कैम्पस के छात्र/छात्राएँ, अध्यापकगण, के0पी0उच्च शिक्षण संस्थान की छात्राएँ एवं विश्वविद्यालय कैम्पस के समस्त कर्मचारी उपस्थित थे।

• इलाहाबाद राज्य विश्वविद्यालय कैम्पस में ''दीपायन'' कार्यक्रम का आयोजन

इलाहाबाद राज्य विश्वविद्यालय, सी0पी0आई0 कैम्पस के परास्नातक स्तर के छात्र/छात्राओं द्वारा **दीपायन** कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम के अध्यक्ष माननीय कुलपति प्रो. राजेन्द्र प्रसाद द्वारा दीप प्रज्ज्वलन किया गया। कार्यक्रम में कुलसचिव डॉ0 साहब लाल मौर्य, वित्त अधिकारी श्री धर्मेन्द्र प्रकाश त्रिपाठी, डॉ0 विनीता यादव, प्राचार्या, राजकीय महिला स्नातकोत्तर महाविद्यालय, फतेहपुर, श्री राजबहादुर यादव, उपकुलसचिव एवं श्रीमती दीप्ति मिश्रा उपकुलसचिव उपस्थित रहे। अर्पिता श्रीवास्तव, सौम्या श्रीवास्तव, ओमिका श्रीवास्तव एवं रश्मि शुक्ला द्वारा कार्यक्रम के आरम्भ में माँ सरस्वती द्वारा वंदना गीत प्रस्तुत किया गया। वर्तमान परिस्थितियों के परिप्रेक्ष्य में **'बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ'** का संदेश देते हुए सुरेश, कर्मवीर, प्रभात, अभिषेक, सत्येन्द्र, आदर्श, प्रिंस, अर्पिता, सौम्या, ओमिका, रश्मि शुक्ला द्वारा रमणीय, भावपूर्ण एकांकी प्रस्तुत की गई। कुमारी अर्पिता द्वारा एकल नृत्य प्रस्तुत किया गया। आशीष कुमार मौर्य, सुरेश कुमार, आशीष कुशवाहा, शिव कुमार तिवारी, अर्वंतिका सिंह इत्यादि ने भी विभिन्न कार्यक्रम प्रस्तुत किये। कार्यक्रम के अंत में उपकुलसचिव श्रीमती दीप्ति मिश्रा द्वारा छात्र–छात्राओं को उनके उज्ज्वल भविष्य हेतु शुभकामनाएं दी गयीं।

• इलाहाबाद राज्य विश्वविद्यालय को भवन निर्माण के लिए मिले 16.93 करोड अवमुक्त

इलाहाबाद राज्य विश्वविद्यालय के भवन निर्माण के लिए 16.93 करोड रूपये और मिल गए हैं। विशेष सचिव मधु जोशी ने इलाहाबाद राज्य विश्वविद्यालय के रजिस्ट्रार और वित्त अधिकारी को पत्र भेज बजट आवंटन की जानकारी दी है। यह धनराशि इलाहाबाद राज्य विश्वविद्यालय के प्रथम फेज के भवन निर्माण के लिए है। इसके पूर्व भी 44 करोड़ की धनराशि राज्य सरकार द्वारा प्रथम फेज के लिए अवमुक्त किये जा चुके हैं।

इलाहाबाद राज्य विश्वविद्यालय का मुख्य परिसर का भौतिक विकास नैनी में हो रहा है । वैकल्पिक व्यवस्था के तहत सिविल लाइंस, गाँधी मार्ग स्थित सी0पी0आई0 बिल्डिंग में इलाहाबाद राज्य विश्वविद्यालय का प्रशासनिक दफ्तर स्थापित किया गया है। पी0जी0 कक्षांए भी यहीं संचालित की जा रही हैं। शासन द्वारा अस्थाई दफ्तर में बने कुलपति, रजिस्ट्रार एवं पुस्तकालय की मरम्मत के लिए 54 लाख रूपये अलग से मंजूर किये गये हैं।

• इलाहाबाद राज्य विश्वविद्यालय की पर्यावरण अध्ययन की परीक्षा में 1.84 लाख परीक्षार्थी सम्मिलित हुए

इलाहाबाद राज्य विश्वविद्यालय ने इलाहाबाद, कौशांबी, फतेहपुर व प्रतापगढ़ में पर्यावरण अध्ययन की परीक्षा आयोजित की। दो सत्रों में हुई यह परीक्षा 310 केन्द्रों पर आयोजित की गई। परीक्षा का समय सुबह आठ से दस तथा अपराह्न तीन से पाँच बजे रखा गया। इसमें कला, विज्ञान एवं वाणिज्य संकाय के कुल 1,84,174 विद्यार्थियों ने परीक्षा दी।

परीक्षा नियंत्रक डॉ0 साहब लाल मौर्य ने बताया कि माननीय सुप्रीम कोर्ट के निर्णयानुसार पर्यावरण जागरूकता हेतु सभी के लिए यह परीक्षा अनिवार्य है। इसमें विद्यार्थी को केवल क्वालीफाई करना होता है। इसके अंक मेरिट में नहीं जुड़ते हैं। यदि कोई विद्यार्थी पर्यावरण अध्ययन में असफल हो जाता है तो उसे तब तक डिग्री नहीं प्रदान की जाएगी जब तक वह इसमें पास नहीं हो जाता है। पास होने के लिये न्यूनतम समय निर्धारित किया गया है।

• बाबा साहब भीमराव रामजी आम्बेडकर की जयन्ती इलाहाबाद राज्य विश्वविद्यालय के सी0पी0आई कैम्पस कार्यालय में मनायी गई

इलाहाबाद राज्य विश्वविद्यालय के सी0पी0आई0 कैम्पस में भारतरत्न बाबा साहब डॉ0 भीमराव रामजी आम्बेडकर की 127वीं जयन्ती मनायी गई। इस कार्यक्रम की अध्यक्षता इलाहाबाद राज्य विश्वविद्यालय, इलाहाबाद के कुलपति प्रो0 (डॉ0) राजेन्द्र प्रसाद ने की। अपने अध्यक्षीय सम्बोधन में प्रो0 प्रसाद ने इस तथ्य को रेखांकित किया कि डॉ0 आम्बेडकर का जीवन संघर्ष और सफलता की ऐसी अद्भुत मिसाल है जो शायद ही कहीं और देखने को मिले। भारतीय जाति प्रणाली की बुराइयों के बीच जन्में बाबासाहब ने बचपन से ही उपेक्षा और असमानता का आघात झेला। कोई आम आदमी इन आघातों से कमजोर पड़ जाता पर बाबासाहब ने हार नहीं मानी। इन आघातों ने उन्हें वज्र सा मजबूत बना दिया और अपनी असीम इच्छाशक्ति और मेहनत के बल पर उन्होंने एक आधुनिक भारत के निर्माण में बहुत बड़ा योगदान दिया। डॉ0 आम्बेडकर के विचार मात्र दलितों के लिए ही नहीं अपितु समाज के वंचितों, पिछड़ों, श्रमिकों और स्त्रियों आदि की दुर्दशा को देखते हुए, उन्हें 'शिक्षा, संगठन और संघर्ष' का मंत्र देकर आगे बढ़ने की प्रेरणा देते हैं। उन्होंने जातिविहीन, समतामूलक दृष्टि और व्यवहार से भारतीय समाज को बदलने की आवाज बुलन्द की, किन्तु आजादी के इतने वर्षो बाद भी भारत में व्याप्त राजनीतिक, सामाजिक और आर्थिक परिवेश में विषमतायें हावी हैं। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलसचिव, डॉ0 साहब लाल मौर्य, वित्त अधिकारी, श्री धर्मेन्द्र कुमार त्रिपाठी, उपकुलसचिव, श्रीमती दीप्ति मिश्रा, समस्त शिक्षकगण के साथ ही साथ समस्त कर्मचारीगण एवं छात्र/छात्राएँ उपस्थित थे। कार्यक्रम का संचालन उपकुलसचिव, श्रीमती दीप्ति मिश्रा द्वारा किया गया।

• इलाहाबाद राज्य विश्वविद्यालय में कापियों का मूल्यांकन शुरू

इलाहाबाद राज्य विश्वविद्यालय में उत्तर पुस्तिकाओं का मूल्यांकन कार्य शुरू हो गया है। इसके लिए राज्य विश्वविद्यालय परिसर- प्रथम, द्वितीय और महिला सेवा सदन महाविद्यालय को मूल्यांकन केन्द्र बनाया गया है। लगभग 20 लाख उत्तर पुस्तिकाओं का मूल्यांकन होना है। प्रथम चरण के मूल्यांकन में इलाहाबाद राज्य विश्वविद्यालय परिसर प्रथम में बी0कॉम प्रथम एवं द्वितीय वर्ष और बी.ए. प्रथम एवं द्वितीय वर्ष की इतिहास विषय की उत्तर पुस्तिकाएं जाँची जा रही है। वहीं, परिसर द्वितीय में बी0एस0सी0 प्रथम एवं द्वितीय वर्ष की रसायन विज्ञान एवं भौतिक विज्ञान और महिला सेवा सदन महाविद्यालय में बी0ए0 प्रथम एवं द्वितीय वर्ष की हिन्दी की उत्तर पुस्तिकाओं का मूल्यांकन कार्य हो रहा है। मूल्यांकन कार्य सुबह आठ से शाम छह बजे तक चलेगा।

• इलाहाबाद राज्य विश्वविद्यालय में दीक्षांत समारोह के आयोजन हेतु माननीय कुलाधिपति एवं श्री राज्यपाल, उ0प्र0 की मंजूरी

इलाहाबाद राज्य विश्वविद्यालय के पहले दीक्षांत समारोह को शासन की अनुमति मिल गई है। विश्वविद्यालय ने 15 नवम्बर 2018 को दीक्षांत समारोह सी0पी0आई0 भवन परिसर में आयोजित करने का निर्णय लिया है। समारोह में करीब 200 मेधावियों को डिग्री देने का प्रस्ताव है। उत्तर प्रदेश के माननीय राज्यपाल/कुलाधिपति **राम नाईक** ने पहले दीक्षांत समारोह के अतिथियों के नामों और कार्यक्रम के विस्तृत प्रारूप पर चर्चा के लिए कुलपति प्रो0 राजेन्द्र प्रसाद से विचार–विमर्श किया है। कुलाधिपति के विशेष कार्याधिकारी राजवीर सिंह राठौर की ओर से जारी पत्र में कहा गया है कि विश्वविद्यालय के 02 फरवरी के पत्र के संदर्भ में माननीय राज्यपाल ने 15 नवम्बर 2018 को दीक्षांत समारोह कराने पर आमंत्रित किए जाने वाले सदस्यों के नामों के प्रस्ताव पर कुलाधिपति का पूर्वानुमोदन लेने को कहा है। भाषण सामग्री, मिनट–टू–मिनट कार्यक्रम, डायस प्लान व वेशभूषा आदि का विवरण भी देने को कहा गया है। इसी सन्दर्भ में कुलपति प्रो0 राजेन्द्र प्रसाद की राजभवन में राज्यपाल से मुलाकात हुई। दीक्षांत समारोह सहित विभिन्न मुद्दों से कुलपति ने राज्यपाल को अवगत कराया। माननीय कुलाधिपति श्री **राम नाईक** जी ने मुख्य अतिथि के रूप में भारत के उपराष्ट्रपति श्रीमान एम0 वैंकेया नायडू के नाम की स्वीकृति प्रदान की है।

• यूनानी मेडिकल कॉलेज में पी0जी0 कोर्स (पाठ्यक्रम) के लिए इलाहाबाद राज्य विश्वविद्यालय ने दी सहमति

यूनानी मेडिकल कॉलेज में पी0जी0 कोर्स (पाठ्यक्रम) के संचालन के लिए इलाहाबाद राज्य विश्वविद्यालय ने अपनी सहमति दे दी। यूनानी मेडिकल कालेज में अभी तक बीयूएमएस कोर्स (पाठ्यक्रम) का संचालन हो रहा था परन्तु अब बीयूएमएस के बाद मेडिकल छात्रों को पी0जी0 करने का भी अवसर मिलेगा। इस मेडिकल कॉलेज में अब इलाज बिद तदबीर (रेजीमेनल थेरेपी) और अमराजे ऐन–उज्न अनफ–हलफ असनान (ई0एन0टी0) विषय के लिए पी0जी0 की कक्षाएँ संचालित होंगी। दोनों विषयों में दो–दो सीटों पर प्रवेश लिया जाएगा। यूनानी मेडिकल कॉलेज इलाहाबाद के विभागाध्यक्ष प्रो0 आसिफ हुसैन उस्मानी ने कहा कि केन्द्र सरकार से अनुमति मिलते ही प्रवेश लिया जाएगा।

• इलाहाबाद राज्य विश्वविद्यालय से सम्बद्ध 'महाविद्यालयों' में कार्यक्रम

कुलभाष्कर आश्रम पी0जी0कालेज में होली मिलन समारोह में (8 मार्च, 2018) में सहभागिता

इलाहाबाद राज्य विश्वविद्यालय से सम्बद्ध महाविद्यालय कुलभाष्कर आश्रम स्नातकोत्तर महाविद्यालय, इलाहाबाद के सभागार में माननीय कुलपति प्रो. राजेन्द्र प्रसाद एवं कुलसचिव डा0 साहब लाल मौर्या व

महाविद्यालय के प्राचार्य, डा0 ज्योति शंकर की गरिमामयी उपस्थिति में शिक्षक समुदाय द्वारा भव्य होली मिलन समारोह का आयोजन किया गया।

इस अवसर पर कवि सम्मेलन भी आयोजित हुआ, क्रमशः श्री शैलेन्द्र मधुर, विक्टा सुल्तानपुरी, नजर इलाहाबादी, अमित जौनपुरी, बिहारी लाल अम्बर आदि कवियों ने प्रतिभाग किया। डा0 आर0ए0अवस्थी, जिला शिक्षक संघ इकाई अध्यक्ष इलाहाबाद ने सभी का स्वागत किया। कार्यक्रम का संचालन जिला इकाई शिक्षक संघ इलाहाबाद की महामंत्री श्रीमती दीप्ती शुक्ला ने किया। इस अवसर पर इलाहाबाद राज्य विश्वविद्यालय शिक्षक संघ के अध्यक्ष डा. पी.के. सिंह व महामंत्री डा. पी.के.पचौरी व अनेक शिक्षक उपस्थिति में हास-परिहास से पूर्ण कार्यक्रम के प्रथम आयोजन की भूरि-भूरि प्रशंसा की।

भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण संस्थान एवं दीन दयाल उपाध्याय राजकीय पी0जी0कॉलेज सैदाबाद, इलाहाबाद के संयुक्त तत्वावधान में ''अंधाधुंध विकास : वर्तमान परिदृश्य व सामाजिक पर्यावरणीय चुनौतियाँ'' विषय पर दो-दिवसीय अन्तर्राष्टीय कार्यशाला (18 मार्च 2018) में सहभागिता

भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण संस्थान, मध्य क्षेत्र, इलाहाबाद व राजकीय पी0जी0कालेज सैदाबाद, इलाहाबाद के संयुक्त तत्वावधान में भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण सभागार में दो-दिवसीय अन्तर्राष्टीय सेमिनार का आयोजन किया गया। सेमिनार में प्रीति गौतम, उच्च शिक्षा निदेशक ने अपने व्याख्यान में कहा कि पर्यावरण की कीमत पर जो अंधाधुंध विकास हो रहा है वो मानव जीवन के लिये खतरनाक है। विकास किया जाये, परन्तु उस विकास से पर्यावरण को किसी भी प्रकार का नुकसान न हो। पर्यावरण को बचाते हुए हमें विकास की ओर आगे बढ़ना चाहिए। पर्यावरण के संरक्षण के लिये हमें सोचना चाहिए क्योंकि बिना पर्यावरण मानव जीवन के अस्तित्व की कल्पना नहीं की जा सकती है। नेपाल से आए त्रिभुवन यूनिवर्सिटी काठमांडू के प्रोफेसर एस0एन0लाभ ने कहा कि पर्यावरण की समस्या जाति, धर्म, क्षेत्र या सीमा की नहीं है। यह एक वैश्विक समस्या और चुनौती है।

इलाहाबाद राज्य विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो0 राजेन्द्र प्रसाद ने अपने व्याख्यान में कहा कि समस्त विद्यार्थी, अध्यापक एवं आम नागरिकों को पर्यावरण के बारे में जागरूक रहना चाहिए। ऐसे सर्वमान्य निर्णय की तरफ बढ़ना चाहिए जो व्यवहारिक हो। 'ग्रीन मैन ऑफ हरियाणा' के नाम से प्रसिद्ध सुरेश देशवाल ने अपने व्याख्यान में कहा कि प्रत्येक व्यक्ति पर्यावरण को बचाने में अपना योगदान दे सकता है क्योंकि आज यदि हम पर्यावरण को बचाने के लिए सक्रिय नहीं हुए तो कल बहुत देर हो जाएगी। कार्यक्रम के संयोजक डॉ0 ए0के0वर्मा ने सेमिनार के विषय पर प्रकाश डाला। अतिथियों का स्वागत भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण संस्थान के क्षेत्रीय निदेशक

डॉ0 जी0एस0सिन्हा ने किया। धन्यवाद ज्ञापन दीन दयाल उपाध्याय राजकीय पी0जी0कॉलेज सैदाबाद के प्राचार्य डॉ0 आशीष जोशी ने किया।

टाउन एवं गाउन' के अन्तर्गत विश्वविद्यालय की सक्रियता

• दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर में ''भारत का भौगोलिक व्यक्तित्व एवं राष्ट्रीय सुरक्षा'' शीर्षक पर द्वि-दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी में (04-05मार्च, 2018) में सहभागिता

दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर में ''भारत का भौगोलिक व्यक्तित्व एवं राष्ट्रीय सुरक्षा'' विषयक द्वि-दिवसीय संगोष्ठी का समापन हुआ। इस अवसर पर एम0एम0एम0यू0टी0 के कुलपति प्रो0 एस0एन0सिंह ने अपने व्याख्यान में कहा कि दुनिया में तेजी से तकनीकी विकास हो रहा है। इसकी मदद से उजाड़ क्षेत्र को भी रहने योग्य बनाया जा सकता है। देश की सुरक्षा एवं संरक्षा को मजबूत बनाने के लिए विज्ञान और तकनीक का विकास आवश्यक है। विशिष्ट अतिथि इलाहाबाद राज्य विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो0 राजेन्द्र प्रसाद ने अपने व्याख्यान में कहा कि जनसंख्या में राष्ट्रीयता की भावना जितनी ही मजबूत होगी, देश उतना ही मजबूत और सुरक्षित होगा। अध्यक्षता कुलपति प्रो0 वी0के0सिंह ने की। अतिथियों का स्वागत विभागाध्यक्ष प्रो0 एस0के0सिंह और धन्यवाद ज्ञापन नूतन त्यागी ने किया।

• मेरठ कालेज, मेरठ में ''भारत-पाकिस्तान सम्बंधः अतीत, वर्तमान एवं भविष्य'' शीर्षक पर द्वि-दिवसीय राष्ट्रीय सेमिनार में (10 मार्च, 2018) में सहभागिता

मेरठ कॉलेज के रक्षा अधययन विभाग की ओर से ''**भारत-पाकिस्तान सम्बंधः अतीत, वर्तमान एवं भविष्य**'' विषय पर द्वि-दिवसीय राष्ट्रीय सेमिनार का आयोजन किया गया। मुख्य अतिथि के रूप में इलाहाबाद राज्य विश्वविद्यालय, इलाहाबाद के कुलपति प्रो0 राजेन्द्र प्रसाद ने अपने व्याख्यान में कहा कि भारत के साथ पाकिस्तान सैन्य मोर्चे पर सदा विफल रहा है, फिर भी पाकिस्तान ने इतिहास से सबक नहीं लिया। बांग्लादेश के गठन के बाद पाक ने अपनी रणनीति बदल ली है। जम्मू व कश्मीर के संदर्भ में भारत को धारा 370 के निरसित करने का विचार हमें कुछ दिनों के लिए स्थगित रखना चाहिए, अन्यथा कश्मीर में अशांति फैलेगी, जिसका फायदा पाकिस्तान उठा सकता है। आन्तरिक शांति एवं सुरक्षा पर विशेष ध्यान देना चाहिए और पाक-प्रायोजित आतंकवाद को मुँह तोड़ जवाब देने के लिए विश्व जनमत को लिए अपने पक्ष में करने के लिए कूटनीतिक मंचों का प्रयोग करना चाहिए।

गेस्ट ऑफ ऑनर ले0 जनरल आर0आर0 निम्भोरकर ने कहा कि पाकिस्तान के दो रूप हैं। यहाँ उदारवादी इस्लाम धर्म है, लेकिन कुछ कट्टर पंथियों ने इस पर कब्जा किया हुआ है। वैसे पाकिस्तान लोकतांत्रिक देश है लेकिन मूलतः वहाँ तानाशाही और फौजशाही हावी है। सर्जिकल स्ट्राइक का हिस्सा होने के नाते उन्होंने बताया कि पूरे देश में केवल छः लोगों को इसकी जानकारी थी। इससे पाकिस्तान भौचक्का रह गया। इससे दुनिया भर में भारत की सैन्य शक्ति का सर्वथा अलग रूप में परिचय हो गया। प्रो0 सविता पांडेय एवं डॉ0 राजकुमार गुप्ता ने भी भारत पाकिस्तान के सम्बंधों पर अपने-अपने व्याख्यान दिये। उद्घाटन सत्र में कार्यक्रम के संयोजक प्रो0 प्रशांत अग्रवाल एवं डॉ0 संजय कुमार द्वारा कुलपति प्रो0 राजेन्द्र प्रसाद के अभिनंदन हेतु सम्पादित पुस्तक **''सिन्यूज ऑफ इंडियाज इंटरनल**

सिक्योरिटी इन ट्वेंटी फर्स्ट सेंचुरी'' और डॉ0 हेमंत पाण्डेय और मनीष राज सिंह द्वारा सम्पादित पुस्तक **''इंडियाज मेजर मिलिटी एंड रेसक्यू ऑपरेशन्स''** का विमोचन किया गया।

• गोविंद बल्लभ पंत सामाजिक विज्ञान संस्थान में ''सुशासन हेतु अहिंसात्मक संवाद'' विषय पर द्वि-दिवसीय राष्टीय कार्यशाला (15मार्च 2018) में सहभागिता

गोविंद बल्लभ पंत सामाजिक विज्ञान संस्थान, इंडियन सोशल रिस्पांसिबिलिटी नेटवर्क, नई दिल्ली एवं गाँधी स्मृति एवं दर्शन संस्थान, नई दिल्ली के संयुक्त तत्वावधान में ''सुशासन हेतु अहिंसात्मक संवाद'' विषय पर आयोजित द्वि-दिवसीय राष्टीय कार्यशाला में मुख्य अतिथि न्यायमूर्ति गिरिधर मालवीय ने कहा कि सुशासन से ही कोई देश आगे बढ़ सकता है। संगोष्ठी के विशिष्ट अतिथि इलाहाबाद राज्य विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो0 राजेन्द्र प्रसाद ने कहा कि सुशासन के लिए जरूरी है कि सभी लोग हर प्रकार के अतिवाद से

बचें। जीवन में मूल्यों और विचारों के महत्व को समझें। उद्घाटन सत्र में इंडियन सोशल रिस्पांटिबिलिटी नेटवर्क के मुख्य कार्यकारी अधिकारी संतोष गुप्ता ने विषय की रूपरेखा रखते हुए कहा कि अहिंसात्मक संवादों से ही सुशासन की कल्पना की जा सकती है। सुशासन के बिना शक्तिशाली और सामर्थ्यवान देश की कल्पना नहीं की जा सकती है।

दूसरे सत्र की अध्यक्षता चौधरी महादेव प्रसाद महाविद्यालय, इलाहाबाद के प्राचार्य प्रो0 आनन्द कुमार श्रीवास्तव ने किया । उन्होंने कहा कि वर्तमान शिक्षा हमें सब कुछ देती है पर शांति नहीं दे पा रही। सत्र के मुख्य वक्ता जी0बी0 पंत सामाजिक अध्ययन संस्थान के प्रो0 एस0के0पंत ने कहा कि सुशासन के बिना ही सर्व शिक्षा अभियान जैसी अनेक योजनाएं असफल हो रहीं हैं। इस सत्र में डॉ0 राम धीरज सिंह, नेहरू ग्राम भारती विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो0 पी0एन0पांडे, ऑक्टा के अध्यक्ष डॉ0 सुनील कांत मिश्र, डॉ0 सरोज यादव, गौतम बुद्ध विश्वविद्यालय नोएडा के डॉ0 संतोष तिवारी, धवल जायसवाल, डॉ0 स्मिता खरे, डॉ0 कुणाल केसरी आदि ने व्याख्यान दिया।

• उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय ''रिसर्च मेथोडोलॉजी: डाटा एनालिसिस विद ऑक्टेव एंड रिपोर्ट राइटिंग बाई लेटेक्स'' विषय पर सात- दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला (25 मार्च 2018) में सहभागिता

उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय मे ''रिसर्च मेथोडोलॉजी: डाटा एनालिसिस विद ऑक्टेव एंड रिपोर्ट राइटिंग बाई लेटेक्स'' विषय पर सात-दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस अवसर पर उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो0 कामेश्वर सिंह ने अपने व्याख्यान में कहा कि हमें ज्ञान की विविध विधाओं पर शोध के लिए पश्चिम की ओर झांकना नहीं चाहिए बल्कि अपनी प्राचीन विरासत में

निहित बहुमूल्य ज्ञान पर प्रभावी ढंग से शोध करना चाहिए। मुख्य अतिथि इलाहाबाद राज्य विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो0 राजेन्द्र प्रसाद ने अपने व्याख्यान में यह रेखांकित किया कि स्थानीय आवश्यकताओं को देखते हुए शोध किए जाने की आवश्यकता है और इसमें स्थानीयता के मद्देनजर देश और समाज की आवश्यकताओं के अनुरूप निष्कर्ष निकाले जाने चाहिए। कार्यशाला का संचालन डॉ0 श्रुति एवं धन्यवाद ज्ञापन डॉ0 जी0के0द्विवेदी ने किया।

दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर में

•''भारत की गैर पारम्परिक सुरक्षाः चुनौतियां एवं विकल्प'' विषय पर राष्ट्रीय संगोष्ठी (29 मार्च 2018) में सहभागिता

दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर में विश्वविद्यालय के संवाद भवन में रक्षा अध्ययन विभाग द्वारा ''भारत की गैर-पारम्परिक सुरक्षाः चुनौतियां एवं विकल्प'' विषय पर राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया। संगोष्ठी के मुख्य अतिथि इलाहाबाद राज्य विश्वविद्यालय, इलाहाबाद के कुलपति प्रो0 राजेन्द्र प्रसाद ने अपने व्याख्यान में कहा कि सोशल मीडिया का इस्तेमाल करके किया जा रहा दुष्प्रचार देश की शान्ति व सुरक्षा को कई टन विस्फोटकों से भी ज्यादा नुकसान पहुँचा सकता है। इसी प्रकार लोगों की बढ़ती हुई महत्वकांक्षाएं और लालच की प्रवृत्ति भी राष्ट्रीय हित पर निजी स्वार्थों को वरीयता देने के लिये प्रेरित कर सकती हैं। वहीं साइबर वर्ल्ड में पनप रहे खतरों को देखते हुए यह जरूरी हो गया है कि एक नेशनल साइबर सिक्योरिटी कमांड का गठन किया जाए। प्रो0 प्रसाद ने आचार्य कौटिल्य का उदाहरण देते हुए कहा कि ढाई हजार साल पहले उन्होंने चेतावनी देते हुए कहा था कि देश के अन्दर जो खतरे होते हैं, वो फन फैलाये हुए नाग की तरह होते हैं या तो उन्हें काबू में रखना चाहिये या फिर उन्हें कुचल देना चाहिए।

समारोह के विशिष्ट अतिथि मेजर जनरल आर0जी0 राम तिवारी ने कहा कि मादक पदार्थों और अवैध हथियारों की तस्करी से आतंकवाद को बढ़ावा मिल रहा है। अफगानिस्तान में अफीम की बड़े पैमाने पर की जाने वाली खेती और उसके अवैध व्यापार ने तालिबान और अल कायदा को ताकत दी। इसी तरह स्वर्णिम त्रिभुज क्षेत्र भी मादक पादर्थों की तस्करी के लिए कुख्यात है। समारोह की शुरूआत में विज्ञान संकाय के अधिष्ठाता प्रो0 हरिशरण ने विषय प्रवर्तन किया।

कार्यक्रम की अध्यक्षता प्रति कुलपति प्रो0एस0के0दीक्षित ने की। रक्षा अध्ययन विभाग के विभागाध्यक्ष प्रो0 सतीश चन्द्र पाण्डेय ने अतिथियों का परिचय कराया। आभार ज्ञापन कार्यक्रम के सह-संयोजक प्रो0 प्रदीप कुमार यादव ने किया। संचालन रक्षा अधययन विभाग के आचार्य एवं राष्ट्रीय संगोष्ठी के संयोजक प्रो0 श्रीनिवास मणि त्रिपाठी ने की।

• बुन्देलखण्ड विश्वविद्यालय, झाँसी में ''शिक्षा में मूल्यों के संरक्षण'' विषय पर द्वि-दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी के समापन समारोह में (31मार्च 2018) सहभागिता

बुन्देलखण्ड विश्वविद्यालय, झाँसी में ''शिक्षा में मूल्यों के संरक्षण'' विषय पर द्वि-दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया । इस समारोह के अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में इलाहाबाद राज्य विश्वविद्यालय, इलाहाबाद के कुलपति प्रो0 राजेन्द्र प्रसाद ने कहा कि वर्तमान वैश्वीकरण व तकनीकी युग में भी शिक्षक का कोई विकल्प नहीं है। इण्टरनेट में सूचनाओं की प्रचुरता तो है, परन्तु हर सूचना ज्ञान नहीं है। उसे ज्ञान में बदलने का कार्य शिक्षक ही कर सकता है। आज जीवन मूल्यों में नए मॉड्यूल तय करने की जरूरत है, नहीं तो बड़ी कीमत चुकानी पडेगी। संगोष्ठी के समापन

समारोह को सम्बोधित करते हुए उन्होंने कहा कि स्वतन्त्रता, समता, न्याय व बन्धुत्व जीवन मूल्यों के साथ दुनिया के लिए यूनिवर्सल मूल्य भी हैं।

बुन्देलखण्ड विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो0 सुरेन्द्र दुबे ने कहा कि स्वाधीनता को सदैव से अहम मूल्य माना गया है। उन्होंने कहा कि सत्य, त्याग और समता शाश्वत मूल्य रहे हैं, जबकि अहिंसा और शान्ति समसामयिक मूल्य हैं। उन्होंने शिक्षकों का आह्वान किया कि वे विद्यार्थियों में जिज्ञासा का भाव विकसित करें। जिज्ञासा शोध और अनुसंधान का कारण बनती है। इस अवसर पर डीन फैकल्टी ऑफ एजुकेशन डॉ0 ओंकार चौरसिया, समन्वयक शिक्षा संकाय डॉ0 शैलजा गुप्ता, संयोजक प्रो0 प्रकाश चन्द्र शुक्ल आदि ने अपने विचार व्यक्त किए।

• नेहरू ग्राम भारती विश्वविद्यालय में ''ह्यूमन राइट्स इटेंडेड टू वुमेन इपॉवरमेंट एंड चाइल्ड वेलफेयर'' विषय पर राष्टीय संगोष्ठी (07 अप्रैल 2018) सहभागिता

नेहरू ग्राम भारती डीम्ड विश्वविद्यालय शोध केन्द्र परिसर में राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग के सहयोग से आयोजित ''ह्यूमन राइट्स इटेंडेड टू वुमेन इपॉवरमेंट एंड चाइल्ड वेलफेयर'' विषय पर राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया। इस अवसर पर इलाहाबाद विश्वविद्यालय के प्रख्यात शिक्षाविद पूर्व-कुलपति प्रो0 आर0पी0मिश्रा ने कहा कि भारत में प्राचीन समय से ही मानव, प्रकृति एवं जीव के अधिकारों को धर्म के साथ जोड़कर अधिकार संरक्षण देने का उत्कृष्ट उदाहरण मिलता है। इलाहाबाद हाईकोर्ट के न्यायमूर्ति अरविंद तिवारी ने कहा कि हमें अपने अधिकारों के साथ ही साथ दूसरों के अधिकारों की बात करनी चाहिए। जब सभी सुविधाओं को बिना भेद-भाव के जरूरतमंदों तक पहुँच देते हैं, तो अधिकारों की रक्षा स्वयं हो जाती है।

मुख्य अतिथि के रूप में इलाहाबाद राज्य विश्वविद्यालय, इलाहाबाद के कुलपति प्रो0 राजेन्द्र प्रसाद ने कहा कि मानवाधिकार सबका सरोकार है, सबके चिंतन का विषय है। हमें यह सोचना है कि गरीब और अमीर के बीच बढ़ रही खाई को कैसे कम किया जा सकता है। महिलाओं और बच्चों के अधिकारों के संरक्षण एवं संवर्धन की हर सम्भव कोशिश होनी चाहिए तभी भारत में सर्वांगीण विकास हो सकेगा। कुलपति प्रो. पी.एन.पाण्डेय ने अतिथियों का स्वागत व धन्यवाद ज्ञापन किया। सेमिनार को प्रति कुलपति डॉ0 एस0सी0तिवारी, प्रो0 वी0के0राय, प्रो0 संगीता श्रीवास्तव ने भी संबोधित किया। कार्यशाला में पुस्तक ''मानवाधिकार 21वीं शताब्दी के विविध आयाम'' का विमोचन भी किया गया। कार्यक्रम का संयोजन एवं संचालन डॉ0 रमेश चन्द्र मिश्रा ने किया। इस अवसर पर कुलसचिव डॉ0 पी0के0तिवारी, डॉ0प्रवीण कुमार मिश्रा, डॉ0 प्रबुद्ध कुमार मिश्रा, डॉ0 रूद्र ओझा, डॉ0वी0पी0राय, डॉ0 अभिषेक त्रिपाठी, डॉ0 सव्यसाची आदि 'उपस्थित रहे।

एएसयू भवन निर्माण के लिए मिले 16.93 करोड़

इलाहाबाद | प्रमुख संवाददाता

इलाहाबाद राज्य विश्वविद्यालय (एएसयू) के भवन निर्माण के लिए 16.93 करोड़ रुपये मिल गए हैं। विशेष सचिव मधु जोशी ने एएसयू के रजिस्ट्रार और वित्त अधिकारी को पत्र भेज बजट आवंटन की जानकारी दी है। यह रकम एएसयू के प्रथम फेज के भवन निर्माण के लिए है।

एएसयू का भवन नैनी में बनाया जा रहा है। इसकी आधारशिला सपा शासनकाल के दौरान रखी गई थी। वैकल्पिक व्यवस्था के तहत सिविल लाइंस के महात्मा गांधी मार्ग स्थित सीपीआई बिल्डिंग में एएसयू का प्रशासनिक दफ्तर स्थापित किया गया है। पीजी कक्षाएं भी यहीं पर संचालित की जा रही हैं। बीते दिनों शासन ने इस अस्थाई दफ्तर में बने कुलपति, रजिस्ट्रार आवास व लाइब्रेरी की मरम्मत के लिए 54 लाख रुपये मंजूर किए थे।

पर्यावरण अध्ययन की सबसे बड़ी परीक्षा आज । एएसयू की अनिवार्य विषय पर्यावरण अध्ययन की परीक्षा रविवार को मंडल के चारों जिलों में बनाए गए परीक्षा केंद्रों पर होगी। इसमें 1,84,174 परीक्षार्थी शामिल होंगे।

1.84 लाख ने दी पर्यावरण अध्ययन की परीक्षा

राहत

- राज्य विश्वविद्यालय ने परीक्षा के लिए बनाए थे 310 केंद्र
- दो पालियों में आयोजित की गई परीक्षा
- एक ही दिन दो विश्वविद्यालयों के परीक्षार्थियों की परीक्षा कराने में दिखी तत्परता

यूनानी मेडिकल कॉलेज में पीजी सीट के लिए इलाहाबाद राज्य विवि ने दी सहमति

जासं, इलाहाबाद : यूनानी मेडिकल कॉलेज एवं हॉस्पिटल में पीजी सीट के संचालन की कवायद तेज हो चुकी है। शुक्रवार को इलाहाबाद राज्य विश्वविद्यालय ने भी मेडिकल कॉलेज को सहमति दे दी है। यूनानी निदेशक डॉ. सिकंदर हयात व आयुष मंत्री डॉ. धर्म सिंह सैनी द्वारा दो सप्ताह पूर्व ही स्वीकृति दे दी गई थी।

यूनानी मेडिकल कॉलेज में अभी तक बीयूएमएस के शैक्षिक कार्य का संचालन हो रहा है। अब बीयूएमएस के बाद पीजी करने वाले मेडिकल छात्रों को भी पीजी करने का मौका मिलेगा। इस मेडिकल कॉलेज में अब इलाज बिद तदबीर (रेजीमेनल थेरेपी) और अमराजे ऐन-उज्न अनफ-हलक असनान (ईएनटी) विषय के लिए पीजी की कक्षाएं संचालित होंगी। दोनों विषयों में दो-दो सीटों पर प्रवेश लिया जाएगा। यूनानी मेडिकल कॉलेज इलाहाबाद के विभागाध्यक्ष प्रो. आसिफ हुसैन उस्मानी ने कहा कि केंद्र सरकार से अनुमति मिलते ही प्रवेश लिया जाएगा।

राज्य विवि में स्नातक की कॉपियों का मूल्यांकन शुरू

इलाहाबाद। इलाहाबाद राज्य विश्वविद्यालय में उत्तर पुस्तिकाओं का मूल्यांकन कार्य शुरू हो गया है। इसके लिए राज्य विश्वविद्यालय परिसर-प्रथम, द्वितीय और महिला सेवा सदन महाविद्यालय को मूल्यांकन केंद्र बनाया गया है। प्रथम चरण के मूल्यांकन में इलाहाबाद राज्य विश्वविद्यालय परिसर प्रथम में बीकॉम प्रथम एवं द्वितीय वर्ष और बीए प्रथम एवं द्वितीय वर्ष की इतिहास विषय की उत्तर पुस्तिकाएं जांची जा रही हैं। वहीं, परिसर द्वितीय में बीएससी प्रथम एवं द्वितीय वर्ष की रसायन विज्ञान एवं भौतिक विज्ञान और महिला सेवा सदन महाविद्यालय में बीए प्रथम एवं द्वितीय वर्ष की हिंदी की उत्तर पुस्तिकाओं का मूल्यांकन कार्य हो रहा है। मूल्यांकन कार्य सुबह आठ से शाम छह बजे तक चलेगा। ब्यूरो

दीक्षांत समारोह को हरी झंडी

राज्य विश्वविद्यालय

- राज्यपाल राम नाइक ने 15 नवंबर 2018 को कराने की दी सहमति
- हर पाठ्यक्रम के टॉपर्स को दिए जाएंगे गोल्ड मेडल

जासं, इलाहाबाद : इलाहाबाद राज्य विश्वविद्यालय के पहले दीक्षांत समारोह को हरी झंडी मिल गई है। विश्वविद्यालय ने 15 नवंबर 2018 को दीक्षांत समारोह सीपीआई भवन परिसर में आयोजित करने का निर्णय लिया है। समारोह में करीब 200 मेधावियों को डिग्री देने का प्रस्ताव है। बाकी विद्यार्थियों को काउंटर से डिग्री प्रदान की जाएगी। राज्यपाल/कुलाधिपति राम नाइक ने पहले दीक्षांत समारोह के अतिथियों के नामों और कार्यक्रम के विस्तृत प्रारूप प्रस्तावों के लिए कुलपति को बुलाया है। कुलाधिपति के विशेष कार्याधिकारी की ओर से जारी पत्र में कहा गया है कि विश्वविद्यालय के पत्र के संदर्भ में राज्यपाल ने 15 नवंबर 2018 को दीक्षांत समारोह कराने पर सहमति जताई है। दीक्षांत समारोह में आमंत्रित किए जाने वाले सदस्यों के नामों के प्रस्ताव पर कुलाधिपति का पूर्वानुमोदन लेने को कहा गया है। भाषण सामग्री, मिनट-टू-मिनट कार्यक्रम, शैक्षिक परिधान व वेशभूषा आदि का विवरण भी देने को कहा गया है। इसी संदर्भ में कुलपति प्रो. राजेंद्र प्रसाद की राजभवन में सोमवार को राज्यपाल से मुलाकात हुई। दीक्षांत समारोह सहित विभिन्न मुद्दों से कुलपति ने राज्यपाल को अवगत कराया।

ज्ञातव्य है कि उत्तर प्रदेश राज्य विश्वविद्यालय संशोधन विधेयक 2013 के तहत 26 मार्च 2013 को इलाहाबाद राज्य विश्वविद्यालय की स्थापना की अनुमति प्रदान की गई। 17 जून 2016 को सीपीआई भवन परिसर में विश्वविद्यालय की शुरुआत हुई। इसके पीछे सरकार का तर्क था कि इलाहाबाद विश्वविद्यालय पहले राज्य विश्वविद्यालय था। 2005 में इलाहाबाद विश्वविद्यालय को केंद्रीय दर्जा प्राप्त हो गया। ऐसे में इलाहाबाद जनपद में कोई राज्य विश्वविद्यालय नहीं रह गया। इसी के तहत नए राज्य विश्वविद्यालय की स्थापना की गई। इस विश्वविद्यालय में इलाहाबाद, फतेहपुर, प्रतापगढ़ व कौशांबी जनपद में कानपुर विश्वविद्यालय व डॉ. राम मनोहर लोहिया अवध विवि से संबद्ध सभी 550 महाविद्यालयों को संबद्ध कर लिया गया।

अंतरात्मा से उत्पन्न होता है मानवाधिकार : प्रो. मिश्र

शोध को पाश्चात्य ज्ञान पर निर्भरता जरूरी नहीं

मुक्त विवि की कार्यशाला में बोले वीसी प्रो. कामेश्वर नाथ

इलाहाबाद। हमारा प्राचीन ज्ञान बहुत भव्य था, ज्ञान की व्यापकता एवं विलक्षणता थी, लेकिन कालांतर में उसका ह्रास हुआ। ... हमें ज्ञान की विविध विधाओं पर शोध के लिए केवल पश्चिम की ओर ही झांकना जरूरी नहीं, बल्कि अपनी प्राचीन विरासत में निहित अनुभूत ज्ञान पर भी प्रभावी ढंग से शोध करना चाहिए। यह विचार राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. कामेश्वर नाथ सिंह ने विश्वविद्यालय में आयोजित सात दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला एवं प्रशिक्षण के समापन पर व्यक्त किए। ... मुख्य अतिथि इलाहाबाद राज्य विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. राजेंद्र प्रसाद ने कहा कि स्थानीय आवश्यकताओं को देखते हुए शोध किए जाने चाहिए ... कार्यशाला का संचालन आयोजन सचिव डॉ. ... एवं धन्यवाद ज्ञापन संयोजक डॉ. जीके द्विवेदी ने किया। ब्यूरो

देश में ईमानदार शिक्षा व्यवस्था की जरूरत : न्यायमूर्ति

गोविंद वल्लभ पंत सामाजिक विज्ञान संस्थान में सेमिनार को संबोधित करते राज्य विवि के कुलपति प्रो. राजेंद्र प्रसाद व मंच पर उपस्थित अन्य।

अमर उजाला ब्यूरो, इलाहाबाद : न्यायमूर्ति गिरधर मालवीय ने कहा कि हमें एक ईमानदार शिक्षा व्यवस्था और ईमानदार नागरिकों वाले देश की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि पुराना भारतवर्ष इसी प्रकार का था।

न्यायमूर्ति मालवीय ने गोविंद वल्लभ पंत सामाजिक विज्ञान संस्थान, इंडियन सोशल रिस्पॉन्सिबिलिटी नेटवर्क नई दिल्ली एवं गांधी स्मृति एवं दर्शन संस्थान नई दिल्ली के संयुक्त तत्वावधान में 'सुशासन हेतु अहिंसात्मक संवाद' विषय पर आयोजित दो दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला में बतौर मुख्य अतिथि कहा कि सुशासन से ही कोई देश आगे बढ़ सकता है। संगोष्ठी में बतौर विशिष्ट अतिथि इलाहाबाद राज्य विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर राजेंद्र प्रसाद ने कहा कि सुशासन के लिए जरूरी है कि सभी लोग हर प्रकार के अतिवाद से बचें। जीवन में मूल्यों और विचारों के महत्व को समझें। ...

देश की सुरक्षा में तकनीक का अहम योगदान : प्रो. सिंह

झाँसी : राष्ट्रीय संगोष्ठी के समापन समारोह में उपस्थित इलाहाबाद राज्य विवि व बुन्देलखण्ड विवि के कुलपति तथा अन्य अतिथि। जागरण

जीवन मूल्यों में अच्छे संस्कार शामिल हों : प्रो. राजेन्द्र प्रसाद

- इलाहाबाद राज्य विश्वविद्यालय के कुलपति ने दिया समापन भाषण
- शिक्षा में मूल्यों पर आधारित 2 दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का समापन

झाँसी : इलाहाबाद राज्य विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. राजेन्द्र प्रसाद ने कहा कि वर्तमान वैश्वीकरण व तकनीकि युग में भी शिक्षक का कोई विकल्प नहीं है। इण्टरनेट में सूचनाओं की प्रचुरता तो है, लेकिन हर सूचना ज्ञान नहीं है। उसे ज्ञान में बदलने का कार्य शिक्षक ही कर सकते हैं। ...

कूटनीति ढंग से निकाला जा सकता है कश्मीर समस्या का हल

Allahabad State University

MISSION STATEMENT

The prime mission of Allahabad State University is set to galvanise integrated approaches of local, regional, national and global opportunities for higher learning, research and engagement to the diverse sets of student population. The University intends to offers a full range of degree programmes at the Bachelor, Master, Doctoral, Post-doctoral and Professional levels, coupled with the entire domain and scope of research and other creative activities.

GOALS

Allahabad State University (ASU) is established to provide quality higher education to the younger generation, and intends to emerge as a "world-class" multi-disciplinary global institution, encompassing various branches and frontiers of higher learning and research in the entire domain, range and scope of "knowledge power". The University will evolve a student profile comparable with national and global (public and private) institutions of Higher Education by creating an environment in which students success in diverse areas can be ensured to the optimum level. It will also fulfill the skill development and professional ensured needs of creating a strong regional and state workforce, while emerging as a primary engine of social, economic and intellectual development in India in the Age of Globalization.

ASU is also set to embark upon the path of realising its endeavors and accomplishments, coupled with the ability of the students and faculty to build a resource base of highest order.

As its primary goal, ASU is dedicated to becoming a nationally and globally recognized institution in the 21st century, coupled with the shared universal values of humanity at large. Accordingly, it is engaged to utilise its material, human and other resources for:

- Imparting higher education to fulfill the diverse needs of student community, including foreign students.
- Promoting excellence within the entire domain, range and scope of higher education and professional studies.
- Meeting cultural and other challenges to our nation-building and eventually augmenting the quality of life in the urban and rural areas through teaching, learning, advanced research and multi-dimensional activities..